वास्तुकला परिषद्
भारत पर्यावास केंद्र, लोधी रोड नई दिल्ली – 110003
ईमेल : info-coa.gov.in, coaindia@rediffmail,
Phone : 011-79412100, Fax : 011-24647746

दिसम्बर 10, 2016

प्रैस विज्ञप्ति

वास्तुकला परिषद् की स्थापना भारतीय संसद द्वारा वास्तुविद् अधिनियम 1972 के तहत की गई और परिषद् को वास्तुशिक्षा और पेशे के मानकों के निर्धारण और निगरानी तथा पूरे देश में वास्तुविदों के पंजीकरण की जिम्मेदारी सोंपी गई। परिषद् का गठन राज्य सरकार, केंद्र सरकार, भारतीय वास्तुविद् संस्थान, अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा परिषद्, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, रक्षा मंत्रालय, अभियांत्रिकी संस्थान और सर्वेयर संस्थान तथा परिषद द्वारा अनुमोदित वास्तुविद् संस्थानों के प्रतिनिधियों से हुआ है।

परिषद् ने देश में वास्तु संस्थानों के द्वारा मान्य योग्यताऐं प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित किये हैं। परिषद् द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार बी.आर्क. कोर्स में प्रवेश के लिए वास्तुकला में एप्पटिटयूड (अभिवृत्ति) परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। वास्तुकला परिषद् वास्तु संस्थानों के लिए मानदंड और मानक निर्धारित करने के लिए सक्षम प्राधिकरण है तथा उसके पास वास्तुकला में आम अभिवृत्ति परीक्षा कराने में विशेषज्ञता है।

वास्तुकला परिषद् द्वारा एकल खिडकी प्रणाली के तहत राष्ट्रीय वास्तुकला अभिवृत्ति परीक्षा (नाटा) 5 वर्षीय बी.आर्क. कोर्स के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए संस्थानों, छात्रों और आम जनता की सुविधा के लिए किया जाता है। नाटा के आयोजन का उद्देश्य भावी छात्रों को एकल परीक्षा द्वारा पूरे देश के वास्तु संस्थानों में आवेदन के लिए सुविधा देना है। परंतु वास्तविक दाखिले संबंधित राज्यों /संस्थाओं के सक्षम अधिकारी नाटा के आधार पर करते हैं।

नाटा की शुरूआत परिषद् ने छात्रों को बी.आर्क. कोर्स में प्रवेश के लिए अलग–अलग अभिवृत्ति परीक्षा पास करने के बोझ को कम करने के लिए की थी। नाटा यह भी सुनिश्चित करता है कि परिषद् द्वारा विनयम द्वारा निर्धारित एवं भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पात्रता को सभी वास्तुविद् संस्थानों में कडाई से पालन हो रहा है।

नाटा एक विशिष्ट क्षेत्र यानि वास्तुकला में आवेदक की अभिक्षमता तय करता है। परीक्षा में छात्र की ड्राइंग, अवलोकन कौशल, अनुपात समझ, सौंदर्य संवेदनशीलता तथा तार्किक सोच, जो एक लंबी अवधी में ग्रहण की जाती है को जांचता है।

वास्तुकला परिषद् वर्ष 2006 से लगातार वर्ष में 5 महीने की अवधी के लिए आनलाइन नाटा परीक्षा आयोजित करती आ रही है। नाटा को अधिकतर विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थानों तथा सभी निजी संस्थानों में 5 वर्षीय बी.आर्क. कोर्स के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अपना लिया है और यह एक बडी सफलता है।

परिषद् ने विभिन्न सुझावों तथा पूर्व में नाटा करने में त्रुटियों को ध्यान में रखते हुए तथा नाटा परीक्षा को सुदृढ और सुधार करते हुए अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर पूरे भारत में एक दिवसीय परीक्षा (पैंन /पैंसिल आधारित) करने का निर्णय लिया है। शैक्षणिक वर्ष 2017–2018 में पूरे देश में नाटा 2017 परीक्षा 16 अप्रैल 2017 को केवल एक दिवसीय (ऑफलाइन) होगी।

नाटा 2017 परीक्षा दो भागों में कागज पर आधारित अधिकता 200 अंकों की होगी। भाग 1 में जो कि 90 मिनट का होगा 2 अंक के गणित तथा सामान्य अभिक्षमता के 60 वैकल्पिक प्रश्न होंगे तथा भाग 2 ड्राइंग तथा अवलोकन कौशल 90 मिनट का होगा जिसमें 40–40 अंक के 2 प्रश्न होंगे। नाटा परीक्षा देश भर में 70 केंद्रों पर होगी। परीक्षार्थियों को तीन शहरों में परीक्षा केंद्र चुनने होंगे लेकिन परीक्षा केंद्र का निर्धारण परिषद् संबंधित शहर/राज्य में प्राप्त आवेदनों के आधार पर करेगी।

नाटा 2017 के अंक बी.आर्क. कोर्स में शैक्षणिक वर्ष 2017–2018 के लिए मान्य होगा। पास अंक का निर्धारण प्रतिशत के आधार परीक्षा आंकडों के आधार पर होगा। प्राप्त अंक, प्रतिशत व रैंक नाटा की वेबसाइट पर छापे जायेंगे।

परीक्षार्थी नाटा 2017 वेबसाइट पर आवेदन भरें और रु1250/– का शुल्क ऑनलाइन जमा करें। परीक्षा केंद्रों की सूची जल्द ही नाटा वेबसाइट पर अधिसूचित की जायेगी और छात्रों द्वारा दी गई वरीयता के आधार पर परीक्षा केंद्र आबंटित किये जायेंगे। नाटा ब्रोशर तथा ऑनलाइन आवेदन करने, पात्रता आदि सूचना नाटा पोर्टल www.nata.in राष्ट्रीय सूचना केंद्र द्वारा विकसित तथा परिषद् की वेबसाइट www.coa.gov.in पर उपलब्ध होगी।

————————————————